54 वार्ड, 1000 सफाई मित्र और एक लक्ष्य, उज्जैन को बनाना नंबर वन

- सीएम के गृह नगर ने ठाना, देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाना
- स्वच्छता में शक्ति, उज्जैन की भक्ति

नवभारत न्यूज

उज्जैन. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का गृह नगर इन दिनों एक नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है. बाबा महाकाल की नगरी अब केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि स्वच्छता के क्षेत्र में भी देशभर में अपना परचम लहराने की तैयारी कर रही है. सवाल यह उठ रहा है कि क्या स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 में उज्जैन देश का नंबर वन शहर बनकर इंदौर को कड़ी चुनौती दे पाएगा?

उज्जैन नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के नेतृत्व ने स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप दिया गया है. आयुक्त स्वयं प्रतिदिन सुबह 6 बजे शहर की सड़कों पर निकल पड़ते हैं. स्टैंडअप मीटिंग के माध्यम से सफाई व्यवस्था की समीक्षा की जाती है और मौके पर ही अधिकारियों तथा कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाते हैं. शहर के सभी 54 वार्डों में करीब 1000 सफाई मित्र और स्वास्थ्य कर्मी तैनात किए गए हैं. हर वार्ड की अलग-अलग रैंकिंग तैयार की जा रही है ताकि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से स्वच्छता स्तर को और बेहतर बनाया जा सके.

5100 तक जुर्माना-नगर निगम ने साफ संदेश दिया है कि अब शहर को गंदा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा. यदि कोई व्यक्ति सड़क, गली या सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंकता हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा रही है. कचरे की जांच कर उसमें मिले दस्तावेजों के

आधार पर संबंधित व्यक्ति या प्रतिष्ठान तक पहुंचा जा रहा है. इसके बाद 5100 तक का जुर्माना वसूला जा रहा है। कई मामलों में पंचनामा बनाकर कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है.

सीसीटीवी से निगरानी-शहर के विभिन्न हिस्सों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही है. जहां भी कचरा फैलता दिखाई देता है, वहां तत्काल टीम भेजी जाती है. सफाई व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और नागरिकों से फीडबैक भी लिया जा रहा है. व्यापारियों, रहवासियों और संस्थानों को निर्धारित स्थानों पर ही कचरा डालने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. नगर निगम का मानना है कि स्वच्छता केवल प्रशासनिक प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है।

होम कंपोस्टिंग को बढ़ावा

गीले कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए नागरिकों को होम कंपोस्टिंग के लिए प्रेरित किया जा रहा है. घरों और संस्थानों में जैविक कचरे से खाद बनाने की पहल तेज की गई है. इससे न केवल कचरे की मात्रा कम होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा.

गलियों का सौंदर्यीकरण

स्वच्छता के साथ-साथ शहर की सुंदरता बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है. बैकलेन और गलियों की सफाई के बाद वहां आकर्षक पेंटिंग और रंग-रोगन कराया जा रहा है. इससे शहर की छवि और अधिक आकर्षक बन रही है.

स्वच्छता में शक्ति, उज्जैन की भक्ति

'स्वच्छता में शक्ति, उज्जैन की भक्ति' अभियान के माध्यम से सफाई मित्रों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और आम नागरिकों को जोड़ा जा रहा है. नगर निगम का उद्देश्य है कि सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन एक आदर्श ग्रीन सिटी और क्लीन सिटी के रूप में स्थापित हो.

सिंहस्थ से पहले संदेश-उज्जैन में महाकुम्भ की तैयारियों के बीच उज्जैन का स्वच्छता अभियान और भी महत्वपूर्ण हो गया है. करोड़ों श्रद्धालु जब महाकाल मंदिर और क्षिप्रा के तट पर पहुंचेंगे, तब उन्हें एक स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित शहर देखने को मिले- यही निगम प्रशासन का लक्ष्य है.

क्या उज्जैन बनेगा देश का नंबर वन-धार्मिक आस्था, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनभागीदारी- इन तीनों का अद्भुत संगम उज्जैन में दिखाई दे रहा है. यदि यही गति और सख्ती बनी रही तो वह दिन दूर नहीं जब महाकाल की नगरी स्वच्छता के क्षेत्र में नया इतिहास रचते हुए देश के शीर्ष शहरों में अपना स्थान बना लेगी. अब पूरे प्रदेश की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या मुख्यमंत्री के गृह नगर उज्जैन की यह स्वच्छता मुहिम 2026 में उसे देश का नंबर वन शहर बना पाएगी और क्या यह शहर स्वच्छता की राजधानी कहे जाने वाले इंदौर को कड़ी टक्कर देगा.

आज कूनो में दो मादा चीते होंगे मुक्त

- कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट चीता' को मिलेगी नई गति
- बोत्सवाना से लाए चीतों ने पूरा किया क्वारंटीन

भोपाल 10 मई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 मई सोमवार को श्योपुर में कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़े से दो मादा चीतों को सुबह कूनो नदी के समीप स्थित साइट से खुले जंगल में मुक्त करेंगे. साथ ही कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण भी करेंगे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दो चीतों को खुले जंगल में छोड़े जाने का यह कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट चीता' को नई गति प्रदान करेगा और भारत के वन्यजीव संरक्षण इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा. बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों ने अपनी क्वारंटीन अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है. इसके बाद उन्हें छोटे बाड़ों में रखा गया था, ताकि वे स्वयं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढाल सकें. अब इनमें से दो चीतों को पूर्णत: खुले जंगल में मुक्त किये जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है. प्रोजेक्ट चीता का उद्देश्य प्रदेश से लुप्त हुये चीतों की प्रजाति को पुनर्स्थापित करना, उनकी संख्या में वृद्धि करना और उन्हें स्वतंत्र रूप से शिकार और विचरण के लिए तैयार करना है.

फरवरी में बोत्सवाना से आए थे 9 चीते

फरवरी 2026 के अंत में बोत्सवाना से 9 नए चीते कूनो नेशनल पार्क लाए गए थे. इनमें 6 मादा और 3 नर शामिल हैं. इन चीतों के आगमन के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या, देश में जन्मे शावकों सहित, बढ़कर 57 हो गई है. यह 'प्रोजेक्ट चीता' के अंतर्गत तीसरा बड़ा अंतर्राष्ट्रीय चरण है. नामीबिया से 17 सितंबर 2022 को 8 चीते भारत लाए गए थे, जबकि वर्ष 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते कूनो पहुंचे थे. बोत्सवाना से आए चीतों को भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के माध्यम से ग्वालियर लाया गया था.

भाजपा नेता और पत्रकार सहित छह लोगों के मोबाइल चोरी

बैतूल. शहर के सदर सब्जी बाजार में रविवार को जेबकतरों ने भाजपा नेता, पत्रकार सहित छह लोगों के मोबाइल फोन चोरी कर लिए. लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है. बाजार में खरीदारी करने पहुंचे पत्रकार मयंक भार्गव, भाजपा नेता मनीष सिंह ठाकुर, अनूप वर्मा तथा रिचर्ड गोम्स सहित कुल छह लोगों के मोबाइल फोन भीड़भाड़ के दौरान अज्ञात चोरों ने पार कर दिए. पीड़ितों को घटना की जानकारी तब लगी, जब उन्होंने फोन निकालने का प्रयास किया. पुलिस के अनुसार मामले में पांच शिकायतें प्राप्त हुई हैं.

मध्यप्रदेश में मौसम का मिला-जुला मिजाज

कहीं बारिश तो कहीं भीषण गर्मी

इंदौर, 10 मई. प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम के अलग अलग रूप देखने को मिले हैं. प्रदेश के शहडोल संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई है. वहीं भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर, जबलपुर और सागर संभाग के जिलों में भी बूंदाबांदी दर्ज की गई है.

तो कई संभागों में मौसम शुष्क बना रहा तो कई जिलो में गर्मी की लू का सितम भी जारी हो गया है. तापमान की बात करें तो ग्वालियर रीवा जबलपुर और सागर संभाग के जिलों में दिन का पारा सामान्य से काफी कम रहा, जबकि उज्जैन संभाग में यह सामान्य से अधिक दर्ज किया गया. वहीं प्रदेश में सबसे अधिक तापमान रतलाम में 44.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. तो सबसे कम न्यूनतम तापमान कटनी के करौंदी में 18.4 डिग्री सेल्सियस रहा. पचमढ़ी में सबसे कम अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा. जबकि राजगढ़ और अमरकंटक में भी रात का तापमान काफी कम दर्ज किया गया है. प्रदेश के कई हिस्सों जैसे सागर सीहोर और जबलपुर में तेज हवाएं और आंधी का असर भी देखा गया. बैतूल और राजगढ़ जिलों में ओलावृष्टि की सूचना भी मिली है.

इंदौर में पारा 41.9 डिग्री

इंदौर में आज तापमान सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा रहा है. आज 41.9 डिग्री दर्ज किया गया, लेकिन गर्म हवाओं से शाम 8 बजे तक उमस रही. पंखे और कूलर चलने के बाद भी गर्मी का अहसास कम नहीं हो रहा था. रात 9 बजे तक पंखे गर्म हवा फेंक रहे थे. कल रात का तापमान 24.4 डिग्री दर्ज हुआ जो सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा है. पिछले तीन दिनों से शहर में गर्मी बढ़ने और गर्म हवाओं के कारण लू चल रही है. गर्मी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कल भी देर रात तक गर्म हवाएं चल रही है.

10 लाख से अधिक किसानों से गेहूं उपार्जन

63 लाख मीट्रिक टन से अधिक हुआ गेहूं उपार्जन

पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूं उपार्जन करेगा मप्र

भोपाल, 10 मई. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रदेश में हो रहे गेहूँ उपार्जन की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है.

वे स्वयं खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण भी कर रहे हैं. उन्होंने स्वयं तौल व्यवस्थाए बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिये उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण भी किया है. साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूँ के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली जा रही है. मुख्यमंत्री के इन औचक निरीक्षण से उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाएँ और अधिक अनुकूल और सहज हो रही हैं. मुख्यमंत्री डॉण् यादव के निर्देशानुसार मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है. देश में गेहूँ उपार्जन के मामले में मध्यप्रदेश अब लगातार आगे बढ़ रहा है. इस वर्ष पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूँ उपार्जन मध्यप्रदेश में होने जा रहा है. प्रदेश में अब तक 10 लाख से अधिक किसानों से 63 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है. प्रतिदिन लगभग 5 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है. शनिवार 9 मई को ही 4 लाख 86 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ है.

राज्य	विक्रेता किसान (लाख में)	अंतिम तारीख
मध्यप्रदेश	10	23.5.2026
हरियाणा	9.10	15.5.2026
पंजाब	7.5	10.5.2026
उत्तर प्रदेश	2	15.6.2026

एसपी भूटिया ने औचक निरीक्षण कर चार थानों की व्यवस्थाएं परखीं

शिवपुरी. नई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भुटिया ने जिला मुख्यालय के चार प्रमुख थानों का औचक निरीक्षण किया. इनमें कोतवाली, देहात, फिजिकल और महिला थाना शामिल हैं. निरीक्षण के दौरान एसपी भुटिया ने थानों में चल रही कार्यवाहियों की जानकारी ली. उन्होंने परिसर, हवालात, रिकॉर्ड रूम और आर्म्स रूम का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

15 से पुणे-गोरखपुर के बीच चलेगी ट्रेन

भोपाल, 10 मई. ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ और सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने पुणे-गोरखपुर-पुणे मार्ग पर विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. बता दें पुणे-गोरखपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन 15 मई से 15 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन संचालित की जाएगी.

जि कि पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, रानी कमलापति और बीना स्टेशनों पर रुकेगी, जिससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी. वहीं पुणे से गोरखपुर यह ट्रेन 15 मई से 15 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 6 बजकर 50 बजे पुणे से रवाना होगी. उसी दिन रात 9 बजकर 10 बजे इटारसी और 11 बजकर 15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी. जो कि अगले दिन मध्यरात्रि 1 बजकर 25 बजे बीना होते हुए 4 बजे गोरखपुर पहुंचेगी. वहीं गोरखपुर से हड़पसर वापसी में यह ट्रेन 16 मई से 16 जुलाई तक प्रतिदिन शाम 5 बजकर 30 बजे गोरखपुर से प्रस्थान करेगी. अगले दिन सुबह 8 बजे बीना, 10 बजकर 30 बजे रानी कमलापति और दोपहर 12 बजकर 10 बजे इटारसी पहुंचेगी.

तीसरे दिन सुबह 3 बजकर 15 बजे यह ट्रेन हड़पसर पहुंचेगी. बता दें ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिये कुल 18 कोच होंगें. वहीं ट्रेन अपने मार्ग में दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा और बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी.

हथियार नेटवर्क पर पुलिस का शिकंजा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 10 मई. मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेशभर में अवैध हथियार निर्माण और तस्करी के खिलाफ व्यापक अभियान तेज करते हुए पिछले दस दिनों में 29 अवैध हथियार, कारतूस तथा हथियार निर्माण में उपयोग होने वाले उपकरण जब्त किए हैं.

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अवैध हथियारों के संगठित नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से की जा रही है. छतरपुर जिले में कोतवाली पुलिस ने अवैध हथियार निर्माण एवं सप्लाई नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया. पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो अवैध हथियार निर्माण इकाइयों का भंडाफोड़ कर एक देशी बंदूक, सात देशी कट्टे, एक अधबनी पिस्टल, एक अधबना कट्टा, जिंदा कारतूस और खाली खोखे बरामद किए.

17 आरोपियों के खिलाफ की कार्रवाई

इसके अलावा हथियार निर्माण में प्रयुक्त मशीनें, उपकरण और अन्य सामग्री भी जब्त की गई. पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है. टीकमगढ़ जिले में विशेष अभियान के तहत पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत 17 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए छह देशी कट्टे, आठ जिंदा कारतूस और 11 धारदार हथियार जब्त किए. ग्वालियर पुलिस ने भी अलग-अलग अभियानों में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया.

साथ रह रही रिश्तेदार युवती से रेप, आरोपी गिरफ्तार

- खरगोन से इंदौर रहने आई थी, बेटे को दिया जन्म

इंदौर. चंदन नगर पुलिस ने एक युवती से रेप करने के मामले मे उसके रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है. खरगोन जिले की रहने वाली युवती ने शनिवार को थाने आकर एफआईआर दर्ज कराई थी. पुलिस ने आरोपी पर पास्को एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है

चंदन नगर पुलिस के अनुसार, पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में उसने बताया कि वर्ष 2025 में पारिवारिक विवाद के कारण वह खरगोन क्षेत्र से इंदौर आकर अपने रिश्तेदार के

निवास पर रहने लगी थी. कुछ समय बाद आरोपी एवं उसकी पत्नी के बीच विवाद होने पर आरोपी की पत्नी नाराज होकर अपने मायके चली गई. इसके बाद आरोपी ने घर में अकेलेपन का अनुचित लाभ उठाया. आरोपी द्वारा पीड़िता को डरा-धमकाकर उसके साथ बार-बार जबरन रेप किया. वहीं उसे जान से मारने की धमकी दी. लगातार शारीरिक शोषण करने के चलते पीड़िता एवं पीड़िता की नाबालिग अवस्था गर्भवती हो गई. उसने 30 अप्रैल को एक निजी अस्पताल में एक बालक को जन्म दिया.

पुलिस के अनुसार, घटना की जानकारी परिजनों को होने पर वे इंदौर आए और पीड़िता को साथ लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई. आरोपी पर पास्को एक्ट सहित अन्य धाराओ में कारवाई की गई. आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस इस मामले में आरोपी का डीएनए टेस्ट भी कराने की तैयारी कर रही है. बहरहाल पुलिस मेडिकल साक्ष्य और पीड़िता के बयानों के आधार पर आरोपी से पूछताछ कर रही है.

पश्चिम रेलवे-रतलाम मंडल

ई-निविदा सूचना

क्र. सं. 1) ई टेंडरिंग संख्या: EL-2025-26-45R. कार्य का नाम: Ratlam Division - Upgradation of station including circulating area, water supply and approach roads at Ujjain, Laxmibai nagar and Naikheri (Simhastha 2028). **अनुमानित लागत:** ₹ 10320570.13 **बयाना राशी:** ₹ 206400.00 **कार्य की समापन अवधि:** 12 Months. **वेबसाईट पर अपलोड करने की तिथि:** 05/05/2026. **निविदा खुलने की तिथि:** 02/06/2026. **क्र. सं. 2) ई टेंडरिंग संख्या: EL-2026-27-06. कार्य का नाम:** Ratlam - Electrical work in connection with repair to toilet blocks at DRM Office & TRD Building campus, provision of officers Toilet block near account section at DRM Office. **अनुमानित लागत:** ₹ 302211.42 **बयाना राशी:** ₹ 6100.00 **कार्य की समापन अवधि:** 09 Months. **वेबसाईट पर अपलोड करने की तिथि:** 05/05/2026. **निविदा खुलने की तिथि:** 02/06/2026.

CRY/IND/44

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

Chola Enter a better life

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड

कॉर्पोरेट कार्यालय: "चोला क्रेस्ट", सी54 और 55, सुपर बी-4, थिरु.वी.का औद्योगिक एस्टेट, गिंडी, चेन्नई - 600 032

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी की सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के तहत अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना। (नियम 8 एवं 9)

आम जनता और विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गिरवीदार को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां, जो सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी रखी गई हैं और जिनका सांकेतिक कब्जा चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, उन्हें आगे चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के रूप में संदर्भित किया जाएगा। सुरक्षित परिसंपत्तियों की बिक्री "जैसी है, जहां है", "जैसी है, जो है" और "जो कुछ भी उपलब्ध है" के आधार पर ई-नीलामी के माध्यम से की जाएगी। आम जनता को सूचित किया जाता है कि हम वेबसाइट https://bankauctions.in/ के माध्यम से सार्वजनिक ई-नीलामी आयोजित करने जा रहे हैं।

उधारकर्ता, सह-उधारकर्ता और गिरवीदार का खाता क्रमांक और नाम	बकाया राशि	अचल संपत्ति का विवरण (सुरक्षित संपत्ति)	आरक्षित मूल्य/ईएमडी /बोली वृद्धि राशि
ऋण खाता संख्या TL01IND00000044081 1. मैसर्स ईश्वर गृह उद्योग, (उधारकर्ता) नंबर 15, रामबली नगर किला, मेदान रोड, इंदौर- 452 001 2.श्रीमान. रोहित मेहता, (सह उधारकर्ता) 3. श्रीमती शांता बाई, (सह-उधारकर्ता) दोनों पतेः नं. 97, अखंड नगर, इंदौर- 452 005	रु. 28,96,177/- 15.09.2025 तक	इंदौर (मध्य प्रदेश) के लालबाग रोड स्थित नेहा अपार्टमेंट के प्रथम तल, बी-ब्लॉक के भाग संख्या 102 का पूरा भूखंड। निर्मित क्षेत्रफल 880 वर्ग फुट (81.78 वर्ग मीटर) है। इसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं: पूर्वः फ्लैट संख्या 101-बी, पश्चिमः उसी भूखंड का शेष भाग, उत्तरः ब्लॉक-ए, दक्षिणः फ्लैट संख्या 104-बी।	₹ 32,86,000/- ₹ 3,28,600/- ₹ 1,00,000/-

ई-नीलामी की तिथि और समय: 29.05.2026 - सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक (प्रत्येक बार 3 मिनट का असीमित विस्तार)। ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि: 27.05.2026। संपत्ति निरीक्षण की तिथि: नियुक्ति के अनुसार।

1. सभी इच्छुक प्रतिभागियों/बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे वेबसाइट https://bankauctions.in और www.foreclosureindia.com पर जाएं। ई-नीलामी से संबंधित जानकारी, सहायता, प्रक्रिया और ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए, इच्छुक बोलीदाता मेसर्स फोरक्लोजर (संपर्क व्यक्तिः श्री निलेश पवार, फोन नंबरः 8142000725, ईमेलः nithesh@bankauctions.in) से संपर्क कर सकते हैं
2. ई-नीलामी में भाग लेने के लिए नियम और शर्तों की अधिक जानकारी के लिए कृपया https://bankauctions.in/ और https://cholamandalam.com/news/auction-notices पर जाएं या श्री आशीष कुमार पांडा (फोनः 98195 38003), श्री अमित शर्मा - फोनः 756676000 से संपर्क करें।

यह नियम 8(6), नियम 8 और 9 तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के तहत एक वैधानिक 15 दिन की बिक्री सूचना भी है।

दिनांक: 11.05.2026
स्थानः इन्दौर

एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड।

गंभीर चिंता | नीति आयोग की रिपोर्ट के बाद दिखीं प्रशासनिक विफलताएं : अजय

शिक्षा व्यवस्था पर विपक्ष का हमला

विशेष संवाददाता

भोपाल, 10 मई. पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की बदहाल स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि इससे शिक्षा क्षेत्र में गहरी प्रशासनिक विफलताएं उजागर हुई हैं.

अजय सिंह ने आरोप लगाया कि रिपोर्ट ने सरकारी दावों और प्रदेश के सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति के बीच की खाई को सामने ला दिया है. उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया की बात करने वाले दौर में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की यह स्थिति बेहद शर्मनाक है.

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के 13,500 से अधिक स्कूल आज भी बिना बिजली के संचालित हो रहे हैं, जिससे कक्षाएं अंधेरे में चल रही हैं और पढ़ाई की गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है. उन्होंने छात्राओं के लिए शौचालयों की कमी पर भी चिंता जताते हुए कहा कि करीब दो हजार स्कूलों में अलग शौचालय नहीं हैं, जो महिला सशक्तिकरण और बालिका शिक्षा के दावों पर सवाल खड़े करता है. कांग्रेस नेता ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी का मुद्दा भी उठाया. उनके अनुसार प्रदेश में 52 हजार से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त हैं, जिनमें 45 हजार से ज्यादा पद प्राथमिक स्कूलों के हैं. वहीं सात हजार से अधिक स्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं.

उन्होंने प्रदेश के लगभग 40 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर सुविधा नहीं होने पर भी सरकार को घेरा और कहा कि शिक्षा सुधारों के प्रचार के बावजूद राज्य आधुनिक शिक्षा मानकों से पीछे होता जा रहा है. शिक्षा बजट के उपयोग पर सवाल उठाते हुए सिंह ने कहा कि बुनियादी ढांचे की कमजोरी के कारण लगभग 3.37 लाख बच्चों ने प्राथमिक शिक्षा बीच में ही छोड़ दी. उन्होंने कहा कि माध्यमिक स्तर पर करीब 17 प्रतिशत ड्रॉपआउट दर यह दर्शाती है कि सरकार विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़कर रखने में विफल रही है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60